भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2180

गुरुवार, 4 जुलाई, 2019/13 आषाढ़, 1941 (शक)

उत्तर प्रदेश और बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति

2180. डॉ. आलोक कुमार सुमनः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यहबताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उत्तर प्रदेश और बिहार में 570 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) दो लेन के हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हैं;

(ख) उत्तर प्रदेश और बिहार में फ्लाईओवर पुल के निर्माण में सरकार के समक्ष आने वाली बाधाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) बिहार के गोपालगंज जिले में लंबित फ्लाईओवरों की कुल संख्या कितनी है;

(घ) क्या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बिहार में एनएच-28 की स्थिति में सुधार करने के लिए कोई प्रस्ताव तैयार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) बिहार में एनएच-28 पर निर्मित किए जाने वाले फ्लाईओवरों की संख्या कितनी है और उनके निर्माण को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा तय की गई है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क): उत्तर प्रदेश राज्य और बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों (रारा) की 2-लेन की लंबाई क्रमश: लगभग 5000 किमी और 3000 किमी है। राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ीकरण और विकास एक सतत् प्रक्रिया है जो यातायात सघनता, पारस्परिक प्राथमिकता, निधि की उपलब्धता, इत्यादि के आधार पर की जाती है।

(ख): फ्लाईओवर पुल के निर्माण में मुख्य बाधा रिहायशी क्षेत्रों में विशेष रूप से पर्याप्त भूमि की अनुपलब्धता है।

(ग): एक अदद

(घ): डुमरियाघाट पर गंडक नदी के ऊपर पुल सहित रारा-28 के किमी 402 से किमी 440 तक का कार्य और किमी 440 से किमी 480 तक ओवरलेइंग कार्य निविदा के स्तर पर है।

(ड.): बिहार के गोपालगंज जिले में बंजरी मोड़ से हाजियापुर तक गोपालगंज टाउन में रारा-28 पर एक फ्लाईओवर का निर्माण किया जाना है जिसकी निर्माण अवधि इसे सौंपे जाने के बाद 36 महीने है।

*****